युगल सरकार की आरती

आरती प्रीतम प्यारी की, कि बनवारी नथवारी की ।
दुहुँन सिर कनक मुकुट झलकै,
दुहुँन श्रुति कुण्डल भल हलकै,
दुहुँन दृग प्रेम-सुधा छलकै,
चसीले बैन, रसीले नैन, गसीले सैन,
दुहुँन मैनन मनहारी की, कि बनवारी नथवारी की ।

आरती प्रीतम प्यारी की, कि बनवारी नथवारी की ।
दुहुँनि दृग चितवनि पर वारी,
दुहुँनि लट-लटकनि छबि न्यारी,
दुहुँनि भौं-मटकनि अति प्यारी,
रसन मुख पान, हँसन मुसकान, दसन दमकान,
दुहुँनि बेसर छबि न्यारी की, कि बनवारी नथवारी की ।

आरती प्रीतम प्यारी की, कि बनवारी नथवारी की ।
एक उर पीताम्बर फहरै,
एक उर नीलाम्बर लहरै,
दुहुँन उर लर मोतिन छहरै,
कंकनन खनक, किंकिनिन झनक, नूपुरन भनक,
दुहुँन रुनझुन धुनि प्यारी की, कि बनवारी नथवारी की ।

आरती प्रीतम प्यारी की, कि बनवारी नथवारी की ।
एक सिर मोर मुकुट राजै,
एक सिर चूनरी छबि छाजै,
दुहुँन सिर तिरछे भल भ्राजै,
संग ब्रज-बाल, लाड़िली लाल, बाँह गल डाल,
'कृपालु' दुहुँन दृग चारी की, कि बनवारी नथवारी की ।

आरती प्रीतम प्यारी की, कि बनवारी नथवारी की ।

© 2008 Jagadguru Kripalu Parishat (JKP)